BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ..... HARI BHOOMI .....

Date ..22/11/2024..... **Page** .....10..... **Column** .....03.....

Subject आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, समाज के प्रति सेवा का माध्यम : डॉ० वर्मा

आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, समाज के प्रति सेवा का माध्यम : डॉ. वर्मा

■ श्री बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में इंडक्शन प्रोग्राम का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्रीबाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में नए सत्र में दाखिल हुए विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का समापन वीरवार को हो गया। इस मौके पर शिष्य उपनयन संस्कार का आयोजन किया गया, जो आयुर्वेदिक परंपरा और संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों की आस्था को प्रबल बनाने और उनके शैक्षणिक जीवन में अनुशासन की नींव रखने का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आयुर्वेद के भविष्य की संभावनाएं, व्यक्तित्व विकास, प्रेरणात्मक व्याख्यान, संस्कृत भाषा और कंप्यूटर विज्ञान के मूलभूत ज्ञान जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा ने अनुशासन, सेवा और आयुर्वेदिक परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं है, यह एक जीवन शैली और समाज के प्रति सेवा का माध्यम है। विद्यार्थियों को इसे अपने जीवन में अपनाने और इसके मूल सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करना चाहिए। डॉ. वर्मा ने कहा कि एक आयुर्वेदिक चिकित्सक का कर्तव्य केवल रोग का उपचार करना नहीं है, बल्कि रोगी को समग्र रूप से स्वस्थ रखना और उसकी जीवनशैली को बेहतर बनाना है। आयुर्वेद एक प्राचीन और समृद्ध विज्ञान है, जो आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

रोहतक। श्री बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में नए सत्र में दाखिल हुए विद्यार्थियों के साथ बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एच.एल. वर्मा।